श्यामा रे तू बड़ा नटखट

यमुना के तट पे तू आया, सखियों का मन भरमाया,
सांवरे तू बड़ा नटखट, ओ श्यामा रे तू बड़ा नटखट

हां हां जान गई मैं, पहचान गई मैं,
तू छलिया जमाने भर का मान गई मैं
मेरी मटकी को...-2 फोड़ गिराया,
श्यामा रे तू बड़ा……

आया तू चोरी चोरी करे तू सीना जोरी,
तूने पकड़ी कलईया गोरी-गोरी
मेरे माखन को...-2 तूने लुटाया,
श्यामा रे तू बड़ा नटखट……

तू भाग किधर, जरा तू ठहर इधर,
तेरी मैय्या को दूंगी, अभी जाके खबर
तेरे लाला ने...-2 हमको सताया,
श्यामा रे तू बड़ा नटखट……

आया तू सखियों के घर हुआ तू बेखबर,
तूने बंसी बजाई बड़ी मधुर-मधुर
तूने संतोष का मन है लुभाया,
श्यामा रे तू बड़ा नटखट……

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/22995/title/shyama-re-tu-bada-Natkhat

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |